

2021

HINDI — GENERAL

Second Paper

Full Marks : 100

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

खण्ड - 1 : अंक - 50

[नाटक और कथा साहित्य]

1. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3
- (क) “मैं बदला ले सकता हूँ और वह यही कि मेरे साथ जो हुआ है वह और किसी के साथ न हो। इसीलिए दिल्ली और अलीगढ़ के बीच इधर और उधर लोगों को पहुँचाता हूँ और इसी तरह अगर कोई किसी दिन मार देगा तो बदला पूरा हो जाएगा— चाहे मुसलमान मारे, चाहे हिन्दू!”
- (ख) “जीवन तुमसे ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है? वह उस दीपक की भांति ही क्षणभंगुर नहीं है, जो हवा के साथ से बुझ जाता है। पानी के एक बुलबुले को देखते हो लेकिन टूटते भी देर लगती है, जीवन में उतना सार भी नहीं। स्वयं भरोसा हो क्या और इसी नश्वरता पर हम अभिलाषाओं के विशाल भवन बनाते हैं। नहीं जानते नीचे जानेवाली राह ऊपर आयेगी या नहीं पर सोचते इतनी दूर की हैं, मानो...”
- (ग) “व्हाई शुड आई ट्रेल बिहाइंड? जब मैं देखती हूँ कि चारों ओर आगे बढ़ने की कैसी कॉम्पटिशन चल रही है और मैं, मेरा पति, मेरा बेटा धकियाकर साइड ट्रेक कर जाते हैं तो एक जुनून सवार हो जाता है।”
- (घ) “यही बात है। यही बात है जो हर साल महिलाओं को वर्षगांठ मनाने के लिए उत्साहित कर देती है। थकेंगी, खटेंगी, झुंझुला लेंगी। सब कर लेंगी, लेकिन जब अपने व्यंजन दूसरों को खिलाएंगी और दूसरे वाह-वाह कर उठेंगे... कैसा सुख मिलता है।”
- (ङ) “जहाँ न धर्म न बुद्धि नहिं नीति न, सुजान समाज वैसे ऐसहि आपुहि नसै, जैसे चौपत राज।”
2. किसी **एक** आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 14×1
- (क) नाट्य-शिल्प की दृष्टि से “अंधेर नगरी” नाटक की समीक्षा कीजिए।
- (ख) प्रेमचन्द कृत ‘निर्मला’ उपन्यास नारी जीवन की करुण त्रासदी है— कथन की समीक्षा कीजिए।
- (ग) ‘अमृतसर आ गया है’ कहानी में वर्णित देश विभाजन की विभीषिका का वर्णन कीजिए।

Please Turn Over

3. किन्हीं दो लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

6×2

- (क) “टैपचू” कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।
 (ख) सोमा बुआ का चरित्र-चित्रण कीजिए।
 (ग) ‘पुरस्कार’ कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
 (घ) ‘ईदगाह’ कहानी का मूल आशय स्पष्ट कीजिए।
 (ङ) मंसाराम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड - 2 : अंक - 50

[निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं]

4. किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×3

- (क) “सच पूछो तो जाति या कौम भी सुधरे हुए ऐसे व्यक्ति की समष्टि है। समाज या जाति के एक एक आदमी यदि अलग-अलग अपने को सुधारे तो जाति की जाति या समाज सुधर जाये।”
 (ख) “दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है।”
 (ग) “सरकार अपनी तरफ से पूरी कोशिश करती है कि जनता भूखी रहे। पर कुछ पैदावार हो जाती है, तो हम को या उसे किसी को तो खाना ही पड़ेगा। आप लोगों को थोड़ा-थोड़ा अन्न देना सरकार की मजबूरी है।”
 (घ) “उस राह पर तुलसी और उनके मानस के नाम पर बड़े-बड़े तमाशे होंगे, फुलझड़ियाँ दगेंगी, सैर-सपाटे होंगे, पर वह राह ढंकी ही रह जाएगी, केवल चक्की का स्वर, श्रम का स्वर ढलती रात में, भीगती रात में अनसोए वात्सल्य का स्वर राह तलाशता रहेगा— किस ओर राम मुड़े होंगे, बारिश से बचने के लिए? किस ओर? किस ओर? बता दो सखी।”
 (ङ) “जालिम से जालिम बादशाह की हुकूमत में रहकर कोई कौम गुलाम नहीं कही जा सकती, वरन गुलाम वही कौम है जिसमें एक-एक व्यक्ति सब भांति कदर्य, स्वार्थपरायण और जातीयता के भाव से रहित है।”

5. किसी एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

14×1

- (क) ‘कुटज’ के माध्यम से हजारीप्रसाद द्विवेदी क्या संदेश देना चाहते हैं?
 (ख) ‘धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे’ में वर्णित व्यंग्य को रेखांकित कीजिए।
 (ग) ‘उत्साह’ निबंध के शीर्षक पर विचार करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

6. किन्हीं दो लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

6×2

- (क) रेखाचित्र के तत्त्वों के आधार पर सोना का मूल्यांकन कीजिए।
 (ख) ‘मेरे राम का मुकुट भींग रहा है’ में निबंधकार क्या कहना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।
 (ग) ‘आत्मनिर्भरता’ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
 (घ) राहुल सांकृत्यायन श्रेष्ठ वृत्तांतकार हैं— पठित निबंध के आधार पर सिद्ध कीजिए।